जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 279 प्रभात उदयपुर, रविवार 11 अगस्त, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस के सांसदों की संसद में सक्रियता अब मापी जायेगी

राहुल गांधी द्वारा तैयार सिस्टम हर पार्टी के सांसद पर निगरानी रखेगा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अगस्त। कांग्रेस सांसद जाग जाएं। राहुल गांधी आ गए हैं। राहुल गांधी के निर्देशों पर, एक मूल्यांकन प्रणाली विकसित की जा रही है, जो संसद के दोनों सदनों-लोकसभा एवं राज्यसभा में सांसदों के कामकाज का आकलन करेगी।

एक कमेटी बनाई जाएगी, जो सभी सांसदों के कार्य-निष्पादन एवं प्रदर्शन पर नजर रखेगी।

सूत्रों का कहना है कि कमेटी देखेगी कि किस सांसद ने कितने प्रश्न पूछे, जन-हित के क्या-क्या मुद्दे उठाये गये, जब पार्टी ने उसे बोलने का अवसर दिया, तो उस सांसद की कैसी तैयारी थी, वह कितने प्रभावी तरीके से उसने सत्तारूढ़ पार्टी का मुकाबला किया तथा सांसद ने हस्तक्षेप करने में कितनी फुर्ती, सक्रियता एवं समझदारी दिखाई।

- **किस सांसद ने कितने सवाल पूछे, कितने जनहित के मुद्दे उठाये, जब उन्हें सदन में बोलने का मौका दिया गया तो उनकी बोलने की तैयारी कैसी थी, कितने प्रभावी ढंग से सरकार का सामना किया और सदन में सलीके से हस्तक्षेप (इन्टरवैन्शन) किया।**
- **हाल ही में अपनी पार्टी के सांसदों को संबोधित करते हुए, राहुल गांधी ने कहा था कि हर सांसद को सदन में बोलने का मौका मिलेगा और राहुल गांधी ही बोलें ऐसा नहीं होगा। इसी नीति के तहत, बजट सत्र में कांग्रेस के कई सांसदों को बजट पर बोलने का मौका दिया गया था।**
- **युवा सांसद, राहुल की इस वर्किंग स्टाइल से काफी खुश हैं, पर, पुराने सांसद अभी काफी अटपटा महसूस कर रहे हैं।**

हाल में ही हुई एक मीटिंग में, राहुल गांधी ने सांसदों से कहा था कि उन्हें बोलने का अवसर दिया जायेगा तथा अकेले वे (राहुल) ही नहीं बोलेंगे। यह बजट सत्र में उस समय दिखाई भी दिया, जब कांग्रेस सांसदों को बोलने का अवसर दिया गया। ऐसी अपेक्षा है कि सांसदों के प्रदर्शन के आधार पर उनकी रैंकिंग भी तय की जायेगी।

सूत्रों का कहना है कि जहाँ यह तन्त्र अस्तित्व में आ रहा है, वहीं इस तन्त्र के आधार पर ही यह तय किया जायेगा कि अगले चुनाव में टिकट के लिये उनके नाम पर विचार किया जाये अथवा नहीं। दरअसल, राहुल गांधी बौद्धिक एवं जोशीले सांसदों की टीम बना रहे हैं, जो सत्तारूढ़ भाजपा से टक्कर ले सके तथा उसे उसी की चाल पर मात दे सके।

बहुत से युवा सांसद नोटिस देने में, शून्यकाल में मुद्दे उठाने में तथा विभिन्न मुद्दों पर बोलने में तत्परता दिखा रहे हैं। पुराने एवं उम्रदराज सांसद, जो प्राय: पीछे बैठते हैं, इस नई राहुल-संस्कृति के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रहे तथा वे कुछ असहज महसूस कर रहे हैं क्योंकि वे ज्यादा सक्रिय नहीं हैं तथा उन्हें राहुल गांधी की कार्यशैली के साथ तालमेल बिठाने में मुश्किल आ रही है।

एक कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी के युवा सांसद सक्रिय हैं लेकिन वरिष्ठ सांसदों को भी अपने-अपने पैरों पर खड़े होने की जरूरत सचमुच महसूस होगी।

पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह का निधन

नई दिल्ली, 10 अगस्त। पूर्व विदेश मंत्री एवं कांग्रेस के दिग्गज नेता नटवर सिंह का लंबी बीमारी के बाद शनिवार रात को निधन हो गया है। नटवर सिंह ने 95 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। वो

- **सन् 2004 से 2005 में यू.पी.ए. सरकार में मंत्री रहे नटवर सिंह लम्बे समय से बीमार चल रहे थे। उन्हें गत 31 जुलाई को इलाज के लिए मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गत वर्ष जारी हिंडनबर्ग रिपोर्ट से अडानी ग्रुप को शेयर मार्केट में 150 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था

इस वर्ष फिर नई हिंडनबर्ग रिपोर्ट जारी होने को तैयार है तथा ट्विटर पर (एक्स पर) हिंडनबर्ग ने मैसेज दिया है, "भारत के बारे में बहुत भारी हंगामा होगा", रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अगस्त। अडानी के बाद कौनसा इंडियन कॉरपोरेट ग्रुप हिंडनबर्ग के निशाने पर होगा।

अमेरिका के एक शॉर्ट सैलर ग्रुप द्वारा एक्स पर लिखे पहेली नुमा मैसेज "भारत में जल्दी ही कुछ बड़ा होगा।" के बाद से औद्योगिक क्षेत्र के राजनैतिक हल्कों में यह सवाल चल रहा है।

सभी तरह की अटकलें चल रही हैं, पर इस संभावना से भी इंकार नहीं है कि नई हिंडनबर्ग रिपोर्ट अडानी ग्रुप के बारे में हो सकती है। गत वर्ष हिंडनबर्ग रिपोर्ट आने के बाद अडानी ग्रुप और भारतीय बाजार को भारी नुकसान हुआ था। अडानी समूह की वैल्यु 150 अरब यू.एस. डॉलर गिर गई थी।

- **इस बार भारत का कौन सा बड़ा उद्योगपति हिंडनबर्ग का टारगैट होगा?**
- **एक अन्य संभावना यह भी है कि, हो सकता है नई हिंडनबर्ग रिपोर्ट में उद्योगपति गौतम अडानी की कंपनियों के काम-काज के बारे में ही नई जानकारी उजागर हो, अडानी ग्रुप को एक बार फिर भारी झटका देने के लिये।**
- **पिछली रिपोर्ट में हिंडनबर्ग ने कहा था कि सेबी से मिलीभगत करके अडानी ग्रुप ने अपने शेयर के दामों में भारी हेराफेरी की थी तथा इस गलत ढंग से कमाये पैसे को "टैक्स हेवन्स" का उपयोग करके वापस भारत लाये थे।**

अपनी रिपोर्ट में हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया था कि अडानी समूह की सेबी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाक से ड्रग्स लेकर आया ड्रोन खेत में गिरा

बी.एस.एफ. ने पकड़ी 15 करोड़ की हेरोइन

श्रीगंगानगर, 10 अगस्त (कासं)। पाकिस्तान से एक बार फिर ड्रोन से भारत में हेरोइन तस्करी की कोशिश की गई है पर इस बार उसकी योजना कामयाब नहीं हुई। बी.एस.एफ. ने शनिवार सुबह अनूपगढ़ से लगती भारत-पाक सीमा पर मौजूद एक खेत से तीन किलो हेरोइन और एक ड्रोन बरामद किया है।

हेरोइन की कीमत करीब 15 करोड़ रूपए बताई जा रही है। फिलहाल, बी.एस.एफ. के जवान स्थानीय पुलिस के साथ पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन में जुटे हुए है। अधिकारियों ने बताया अनूपगढ़ के गांव 30 ए.पी.डी. के पास कालूराम नायक के खेत में आज सुबह करीब चार बजे ड्रोन पड़ा होने की सूचना मिली, जिस पर बी.एस.एफ. के जवान मौके पर पहुंचे और ड्रोन को जब्त किया।

- **अनूपगढ़ के गांव ए.पी.डी. के पास कालूराम नायक के खेत में आज सुबह करीब चार बजे ड्रोन पड़ा होने की सूचना मिली, उसमें पीले रंग के पैकेट में तीन किलो हेरोइन पाई गई।**
- **सूत्रों ने बताया पाकिस्तान से आया यह ड्रोन तकनीकी खराबी के कारण सीमा के पास खेत में गिर गया।**

ड्रोन में पीले रंग के पैकेट मिले। पैकेटों में तीन किलो हेरोइन थी जांच में पता चला कि ड्रोन पाकिस्तान से भेजा गया था जो तकनीकी खराबी के कारण सीमा के पास खेत में गिर गया, इससे तस्करी की योजना फेल हो गई।

बता दें कि पिछले महीने 23 और 24 जुलाई को भी पाकिस्तान से भारत में हेरोइन भेजी गई थी। लेकिन बी.एस.एफ. के जवानों ने हेरोइन जब्त कर पाकिस्तानी तस्करों के मंसूबों पर पानी फेर दिया था, उसकी कीमत 30 करोड़ रुपए थी। लेकिन करोड़ों रूपए के मादक पदार्थ जब्त होने के बाद भी पाकिस्तानी तस्कर बाज नहीं आ रहे हैं। बता दें कि अनूपगढ़ क्षेत्र में इस साल अब तक पाकिस्तान से आई कुल 41.478 किलोग्राम हेरोइन जब्त की जा चुकी है, जिसकी कीमत 200 करोड़ रूपए से ज्यादा बताई जा रही है।

टी.वी. सोमनाथन कैबिनेट सचिव बने

नई दिल्ली, 10 अगस्त। सरकार ने इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज़ (आई.ए.एस.) के वरिष्ठ अधिकारी टी.वी. सोमनाथन को देश के अगले कैबिनेट सचिव के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लिया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा शनिवार को जारी सर्कुलर के अनुसार, तमिलनाडु कैडर के 1987 बैच के आई.ए.एस. अधिकारी टी.वी. सोमनाथन इस महीने के अंत में अपना नया कार्यभार

- **तमिलनाडू कैडर के 1987 के सोमनाथन वर्तमान सचिव राजीव गौबा का स्थान लेंगे। उनका कार्यकाल 30 अगस्त से शुरू होगा और वह अगले दो सालों तक इस पद पर बने रहेंगे।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आर्थिक संकट में घिरे तेलंगाना के युवा पत्रकार ने आत्महत्या की

यह बेहद दुखद घटना देश में बढ़ती बेरोजगारी का एक उदाहरण है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अगस्त। तेलंगाना के एक युवा, ईमानदार एवं मेहनती पत्रकार की कथित आत्महत्या देश में फैली दुखद बेरोजगारी की स्थिति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। कुल मिलाकर, बेरोजगारी के कारण युवाओं तथा अधेड़ उम्र वाले लोगों तक में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

तेलंगाना के वारंगल नगर में एक तेलुगू वैब चैनल में कार्यरत एक 36 वर्षीय पत्रकार की आत्महत्या की खबर से राज्य की पूरी मीडिया बिरादरी को जबरदस्त धक्का लगा है। 36 वर्षीय पत्रकार जी.योगी रेड्डी (36 वर्ष) ने पहले तो अपनी 9 वर्ष की बेटी आद्या को फन्दे पर लटकाया तथा उसके बाद स्वयं फन्दे पर लटक गया। रेड्डी के रिश्तेदार तथा उसके व्यक्तिगत एवं प्रोफेशनल मित्रों को यह विश्वास कर पाना मुश्किल हो रहा है कि उसने आर्थिक परेशानियों के कारण इतना भयानक कदम उठा लिया। वह अपने पीछे अपनी पत्नी को छोड़ गया है।

- **जिस दिन 36 वर्षीय योगी रेड्डी की आत्महत्या की खबर आई, उसी दिन देश के एक बड़े औद्योगिक घराने ने 42,000 कर्मचारियों को निकाल दिया था।**
- **चढ़ते शेयर बाजार और बढ़ती जी.डी.पी. के बावजूद भी बेरोजगारी में निरंतर वृद्धि होना दर्शाता है कि बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की अंतर्निहित कमियों ने देश की जनता को प्रभावित करना शुरु कर दिया है।**
- **अर्टिफिशल इन्टैलिजैंस और उच्च स्तरीय ऑटोमैटिक मशीनों के कारण इंसान पर निर्भरता कम हो रही है, यही वजह है कि देश भर में निजी क्षेत्र में कर्मचारियों की छंटनी हो रही है।**
- **सरकारी क्षेत्र भी पीछे नहीं हैं, वहां भी सरकारी कामों को आउट सोर्स किया जा रहा है और नए कर्मचारियों की भर्ती निरंतर कम हो रही है।**

शुक्रवार की शाम, योगी रेड्डी तथा उसकी बेटी आद्या वारंगल के उस एक कमरे के ऑफिस में फन्दे से लटके पाये गये, जिसमें वह काम किया करता था।

इस ब्रेकिंग न्यूज से तेलंगाना, आंध्रप्रदेश तथा अन्य राज्यों के तेलुगूभाषी पत्रकारों में शोक की लहर दौड़ गई। एक पत्रकार, जिसने अपनी पुत्री को अपनी अन्तिम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

1389 अग्निवीर नौसेना में शामिल हुये

नई दिल्ली, 10 अगस्त (वार्ता)। अग्निवीरों के चौथे बैच की पासिंग आउट परेड के बाद 214 महिला अग्निवीरों सहित 1389 अग्निवीर के आईएनएस चिल्का में शुक्रवार को नौसेना में शामिल हो गये।

- **नौसेना में शामिल होने के लिए इन अग्निवीरों को नौसेना की 16 महीने की कठोर ट्रेनिंग दी गई है, इनमें 214 महिला अग्निवीर भी शामिल हैं।**

रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि अग्निवीरों को 16 सप्ताह का कठोर नौसैनिक प्रशिक्षण दिया गया है। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने इस मौके पर आयोजित दीक्षांत परेड की समीक्षा की। इस मौके पर वाइस एडमिरल वी श्रीनिवास, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी नौसेना कमान और पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर भी उपस्थित थे। अग्निवीरों के परिवारजन भी इस गौरवशाली कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रशिक्षण के बाद दीक्षांत परेड न केवल अग्निवीरों के प्रारंभिक प्रशिक्षण के सफल समापन का प्रतीक है, बल्कि भारतीय नौसेना में अग्निवीरों के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत का भी प्रतीक है। नौसेना प्रमुख ने परेड को संबोधित करते हुए प्रशिक्षुओं को बधाई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

1940 के दशक से 1960 तक बड़े-बड़े उद्योगों के मालिकों की सूची में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ

पर, 1960 के दशक में देश में मंदी का दौर (रिसैशन) आया तो भारी उथल-पुथल हुई इस सूची में और कई बड़े-बड़े मिल मालिक धराशायी हुए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अगस्त। "मध्यम आय का शिकंजा" राष्ट्रों एवं देशों के विकास अनुभव में कोई असामान्य खासियत नहीं है। कुछ देश जहां आशाजनक शुरुआत करते हैं, लेकिन एक निश्चित समय के बाद गतिहीन हो जाते हैं। वे मध्यम आय वाले वंचित देशों से ऊंची प्रति व्यक्ति आय वाले विकसित देशों में तब्दील होने में विफल रहते हैं।

कई विकास अर्थशास्त्रियों ने मध्यम आय के जाल को पहचाना और उसका परीक्षण किया। कई सुझाव दिए जा चुके हैं, लेकिन इन पूर्व सूचनाओं और सलाहों के बावजूद यह जाल बार-बार बना रहता है।

इस वर्ष की वर्ल्ड डवलपमैंट रिपोर्ट (डब्ल्यू.डी.आर.) में आर्थिक वृद्धि के इस सुविज्ञ लक्षण का परीक्षण करने और इस समस्या के समाधान के तरीके बताने की कोशिश की गई है। डब्ल्यू.डी.आर. 2024 इस समस्या को समाप्त करने के तरीकों की सलाह देता है और मध्यम आय वर्ग के देशों को आगे बढ़ने में मदद देता है।

वर्ल्ड डवलपमैंट रिपोर्ट 2024 में नीतिगत प्राथमिकताओं को लेकर एक स्पष्ट मार्ग सुझाया गया है। इसे 3 आई रणनीति कहा जा सकता है। तीन आई का अर्थ है इन्वैस्टमैंट, इन्फ्यूज़न और इनोवेशन। रिपोर्ट एक महत्वपूर्ण प्रश्न पूछने के बाद यही प्रश्न करती है। प्रश्न यह है कि "क्या मध्यम आय वर्ग के देशों की आर्थिक वृद्धि आय के अन्य स्तरों वाले देशों से भिन्न होती है?

इसका उत्तर है "हाँ" रिपोर्ट सुझाती है कि "मध्यम आय वर्ग के सफल देशों को आर्थिक संरचना विकसित करने के लिए ऐसे दो सफल परिवर्तन करने होंगे, जिनमें अन्ततः इनकम के हाई लैवल बरकरार रहें।

ये परिवर्तन कौनसे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पहला परिवर्तन है - निवेशोन्मुखी ग्रोथ की एकल रणनीति से दोहरी रणनीति की ओर जाना जिसमें निवेश के साथ विदेश की नई तकनीकियों का समावेश करना और उसका घरेलू परिदृश्य में प्रसार करना शामिल है। अर्थात पहले "आई" से दूसरे "आई" की तरफ जाना।

अगले चरण में, "मध्यम आय वर्ग वाले देशों को तीसरे "आई" (इनोवेशन) की ओर जाना होगा, जिसमें नवाचार पर अधिक ध्यान देना होता है। यह ऐसी प्रक्रिया है जो उच्च आय वर्ग वाले देशों पर अधिक लागू होती है।" यद्यपि, इस संक्रमणकाल में कुछ दर्दपूर्ण प्रक्रियाओं से गुजरना होता है। खासतौर पर, नवाचार अर्थव्यवस्थाओं में कठिनाईयां पैदा करता है तथा इसमें पुर्नसमायोजन शामिल होता है, जिसे निहित स्वार्थी वर्गों और पहले से जमे बैठे लोगों से प्राय: कड़ी चुनौती मिलती है।

- **राजीव गांधी के, प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल में काफी लिब्रलाइज़ेशन हुआ, निर्यात-आयात नीति में। कस्टम ड्यूटी बहुत कम की गई, विशेषकर कम्प्यूटर आदि इलैक्ट्रॉनिक सामान पर।**
- **इन परिवर्तनों से पुराने उद्योगपति व मिल मालिक लगभग ठंडे पड़ गये, शायद दो बड़े पुराने मिल मालिक बचे, टाटा समूह व बिड़ला ब्रदर्स।**
- **नये उद्योगपति उभरे विशेषकर आई.टी. इण्डस्ट्री में।**
- **वर्ल्ड डवलपमैंट रिपोर्ट 2024 ने, इस प्रक्रिया को नैसर्गिक प्रक्रिया बताया और जो देश इस नई टैक्नॉलजी को कुछ स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार स्वीकार करते गये, वे जीवित रह गये और उन्नति करते गये। इस सूची में भारत काफी आगे है।**
- **अन्यथा, जो देश भारी भुखमरी व निर्धनता को पार कर मध्यम इकॉनमी के दल-दल में फंस गये, वे उन्नत देशों की लाइन में नहीं पहुंच पाये और आगे नहीं बढ़ पाये।**

डब्ल्यू.डी.आर. 2024 में अर्थव्यवस्थाओं की कमजोर गति को दूर करने का एक नया तरीका सुझाया गया है, जो घोर गरीबी और कमजोर विकास से मुक्ति दिलाने में सफल रहा है। रिपोर्ट में मध्यम आय वर्ग वाले देशों को सुझाव दिया गया है कि वे आर्थिक रूकावट दूर करने के लिए आर्थिक संकट का सदुपयोग करें। एक अन्य सुविज्ञ लक्षण क्रिएटिव डैस्ट्रक्शन से पार पाने के लिए आर्थिक संकट उपयोगी है। जाने-माने अर्थशास्त्री जोसफ शॉपीटर ने "क्रिएटिव डैस्ट्रक्शन" का विचार सबसे पहले प्रस्तुत किया था।

रिपोर्ट में मध्यम आय वर्ग की अर्थव्यवस्थाओं की दशा को संक्षेप में इस प्रकार बताया गया है। चूंकि मध्यम आय वर्ग वाले देशों को इन्वैस्टमैन्ट, इन्फ्यूज़न और इनोवेशन को पुनः संयोजित करने की जरूरत है, इसलिए आर्थिक संकट एक जरूरी बुराई बन सकता है क्योंकि इन्वैस्टमैन्ट, इन्फ्यूज़न और इनोवेशन यथास्थिति कमजोर कर आर्थिक गति प्रदान करते हैं। कोई अर्थव्यवस्था जब नए उद्यमियों के बनिस्पत मौजूदा आर्थिक खिलाड़ियों को तरजीह देती है तब संरचनात्मक कठिनाईयां कारकों को समाप्त कर दिया जाए जो नए उद्यमियों और उनकी कुशल उत्पादन प्रक्रिया को अवरुद्ध करते हैं।

जो बात बाद में समझ में आई वह यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास की कुछ ऐसी ही प्रक्रिया रही है, खास तौर पर आर्थिक सुधारों के बाद के वर्षों में जो बात तुरन्त दिमाग में आती है, वह है भारतीय उद्यमी वर्ग की बदलती प्रोफाइल। भारत क्यों आर्थिक विकास कर रहा है और वैश्विक विकास की तकनीकियों को क्यों ग्रहण कर रहा है तथा अपने उद्यमी वर्ग को पोषित करने में क्यों समर्थ हैं?

यदि हम स्वतंत्रता के समय के अग्रणी औद्योगिक घरानों की सूची का परीक्षण कर उसकी तुलना 1960 के दशक से करें तो पता चलेगा कि इस दौरान थोड़े ही बदलाव हुए। चालीस के दशक के अधिकांश अग्रणी औद्योगिक घराने साठ के दशक की शुरुआत के औद्योगिक घरानों के समान थे।

1960 के दशक के अन्त में जब भारत ने आर्थिक मंदी का सामना किया था, तब उस समय की बड़ी औद्योगिक फर्म्स घाटा खा गई थीं। उनका संबंध नए उद्यमियों वाली लघु एवं छोटी कम्पनियों से था। लेकिन वास्तविक बदलाव आया 1980 के दशक के अन्त से वर्ष 1991-92 के दौरान। इस बदलाव के मुख्यत: दो कारण थे। प्रधानमंत्री के रूप में राजीव गांधी के संक्षिप्त कार्यकाल में भारतीय अर्थव्यवस्था को गति प्रदान की गई। सस्ते कम्प्यूटर्स सहित आयात की जाने वाली कई महत्वपूर्ण वस्तुओं के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने वायनाड का हवाई सर्वे किया

वायनाड/ नई दिल्ली, 10 अगस्त (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केरल के वायनाड में भूस्खलन की तबाही से प्रभावित क्षेत्रों का शनिवार को हवाई सर्वेक्षण किया। मोदी सुबह नयी दिल्ली से केरल पहुंचे। इलाके के हवाई सर्वेक्षण के समय श्री मोदी के साथ केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन भी थे। मोदी हवाई सर्वेक्षण के बाद आपदा प्रभावित इलाकों में खुद जाकर स्थिति का जायजा लेंगे।

- **मोदी सुबह नई दिल्ली से केरल पहुंचे। भूस्खलन प्रभावित इलाकों के हवाई सर्वेक्षण के समय प्र.मंत्री मोदी के साथ केरल के मुख्यमंत्री पी. विजयन भी थे।**

सूत्रों के अनुसार, श्री मोदी वहां स्थानीय लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं पर बातचीत भी कर सकते हैं। नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि हवाई सर्वेक्षण के दौरान श्री मोदी ने उस इलाके का भी निरीक्षण किया, जहां से भूस्खलन शुरू हुआ था। उन्होंने पुंचिरिमट्टम, मुंडिकि और चूड़ालमाला इलाके का भी हवाई निरीक्षण किया।

गौरतलब है कि पारिस्थितिकी की दृष्टि से संवेदनशील पश्चिमी घाट क्षेत्र में 30 जुलाई को भूस्खलन की घटना में करीब दो सौ लोगों की मौत हो गयी थी और सैंकड़ों की संख्या में लोग घायल हो गये। भारी वर्षा के कारण भूस्खलन इरुवझिंजी पुझा नदी में बाढ़ के चलते शुरू हुआ था।